

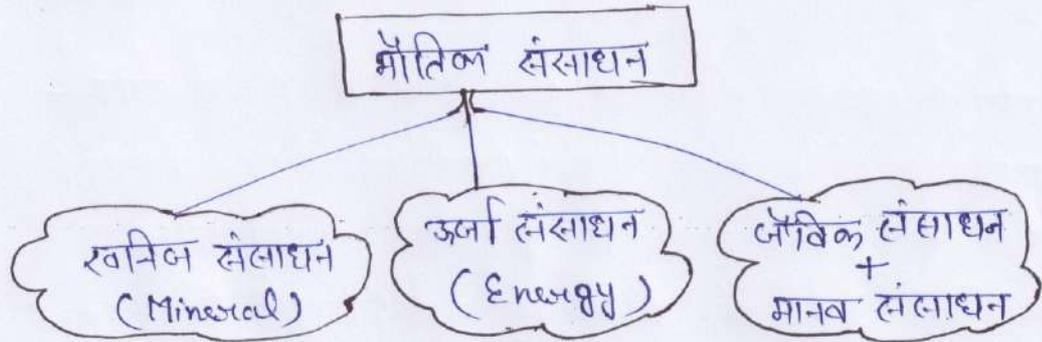
विश्व के प्रमुख संसाधन (मानव भूगोल - आर्थिक भूगोल)

- जिन वस्तुओं को हम लाभप्रद रूप में उपयोग में ला सकते हैं उन्हें संसाधन कहा जाता है ये प्राकृतिक व मानव निर्मित दोनों प्रकार के हो सकते हैं। श्रीमान बिमरमैन के अनुसार "संसाधन होते नहीं हैं संसाधन बन जाते हैं" इस परिभाषा से यह ज्ञात होता है कि कोई भी वस्तु तब तक संसाधन नहीं है जब तक उसे उपयोग में ला लिया जा सके। उदाहरणतः पेट्रोलियम आधुनिक विश्व में एक प्रमुख संसाधन है किन्तु जनजातीय लोगों के लिए वह संसाधन है। क्योंकि वे इसका उपयोग नहीं कर सकते हैं।

पृथ्वी पर संसाधन के असमान वितरण के कारण संसाधन भूगोल की संकल्पना जन्म लेती है इस विषय में संसाधनों के क्षेत्रीय वितरण, उनकी उपलब्धता व दोहन के बारे में जानकारी खोजने की जाती है जिसके उपरान्त क्षेत्रीय विश्लेषण द्वारा असमान वितरण व उनसे सम्बंधित समस्याओं का हल ढूँढा जाता है।

आधुनिक विश्व में संसाधनों को तीन वर्गों में बांटा जा सकता है - खनिज, ऊर्जा व जैविक संसाधन

इन प्राकृतिक संसाधनों के साथ-2 किसी क्षेत्र की भाषादी वहां का मानव संसाधन कहलाती है।



खनिज संसाधन - जब दो प्राकृतिक तत्व निश्चित मात्रा में जुड़ते हैं तो वे खनिज बनते हैं। पृथ्वी का स्थूलमंडल चट्टानों या शैलों से बना है और ये शैल खनिज के जुड़ने से बनते हैं। इसी कारण पृथ्वी की चट्टानों में खनिज निहित पाये जाते हैं।

मूलतः खनिज दो प्रकार के होते हैं धात्विक व अधात्विक। धात्विक खनिजों में धातु की मात्रा अधिक होती है और धातु की प्रकृति के आधार पर यह दो प्रकार के होते हैं लौह धात्विक व अलौह धात्विक।

अधात्विक संसाधनों में धातु के अलावा अन्य पदार्थों की मात्रा अधिक होती है। पृथ्वी पर पायी जाने वाली रेत, खंभू लवण, मैग्नेशियम की चट्टानें आदि अधात्विक खनिजों में गिने जाते हैं।

लौह धात्विक खनिज :-

लौह धात्विक खनिजों में प्रमुख धातु लौहा होती है व लौह समूह के साथ कुछ विशिष्ट धातु भी पायी जाती है जैसे कोबाल्ट, निकल, वैनेडियम, क्रोमियम आदि। यह धातु बौध समूह से भौतिक एवं रासायनिक विशेषतायें लेती है जैसे - लठोरता, चुम्बकीय प्रभाव, मिश्रित धातुओं का निर्माण आदि।

इन धातुओं के समूह प्रमुख लौह शील में पाये जाते हैं।

⇒ विश्व का लौह समूह वितरण

1. उत्तर अमेरिका :

कनाडा → कैनेडियन / लेब्राडोर / लॉरेन्शियन शील

शेफरविले खदान

सेंट-आइल्स

(हैमिल्टन, मोटावा, टैरोन्गे)

(बफेलो, क्लीवलैंड, डेटराइट)

संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) → अपेक्षित शील / पर्वत

पिट्सबर्ग (पैनसिल्वेनिया)

वर्मिचम

2- मदान शील क्षेत्र → ड्युप, मेसावी,

वरमिलियन खदान

दक्षिण अमेरिका :-

1- ब्राजील - ब्राजील शील्ड, गियाना शील्ड
↓
इटाबेरा पठार
प्याराग्वाय पठार
मिनास गैराइस
(बेलो दोरिजांटे)

2- चिली → लॉ क्षेत्रना घाटी

अफ्रीका :- महाद्वीप पर लोई मयल्ले का अभाव है
किन्तु सीमित स्थान पर पाये जाते हैं।

- 1- दक्षिण अफ्रीका - ट्रांसवाल पठार } लम भागा
2- लाइबेरिया + सिनेरालियोन } में

भूरोप :- 1- स्कैंडिनेवियन शील्ड

A- स्वीडन - लिस्ना, गैलिबार्ड

B- UK - स्कॉटिश उच्च भूमि (ग्लाल्गो)

2- मध्य यूरोपीय पठार

A- जर्मनी - ब्लैक + बोहिमियन प्लेरेट

B- फ्रांस - मल्लाक-लौरेन क्षेत्र

C- बोल्स व जुरा पर्वत (जर्मनी, फ्रांस व स्वीटजरलैंड
की सीमा पर)

C- स्पेन - बिस्के की खाड़ी (बल्बोआ), विरिनीज
पर्वत।

3- CIS - Commonwealth of Independent States

1- रुस - (A) वोल्गा का पठार (B) यूराल पर्वत श्रृंखला
(थैबाल्टरिन कर्ग + मैग्निटोगाँस्क)

2- यूक्रेन - ख्रिवोई रोग / रिह

ऑस्ट्रेलिया :- पिलबारा प्रांत + आयर प्रायद्वीप

↓
हेमले पर्वत
(न्यूमैन पर्वत)

↓
व्हायला

एशिया

रुस - यूराल

- बैबाल सील क्षेत्र - इफुत्स्क

चीन - 1- मन्चूरिया का पठार - मानशान, शेन्यांग

2- शेंक्सी / शांक्सी प्रान्त

3- जाई मंगोलिया प्रान्त - बाउटांड

भारत - छोट्टा नागपुर पठार

- जर्नाटल का पठार

अलौह धातु \Rightarrow तांबा

- विश्व का तांबा वितरण

1- उत्तर अमेरिका \rightarrow

कनाडा - मैनाडियन शील्ड व महान शील
कैलिफोर्निया + सड़बरी

USA - कैलिफोर्निया क्षेत्र

- ब्लैक माउंटेन + बुट्टे - विद्यम खदान

2- दक्षिण अमेरिका - सबसे बड़ा भण्डार

- पेरू व चिली का सीमावर्ती क्षेत्र

- चिली - अटकामा मरुस्थल

\rightarrow शहर \rightarrow एरिका, एन्टाफोगास्टा, इन्वीक

\rightarrow खदान \rightarrow चुकीलमाटा

3- अफ्रीका :- लाटांगा शील्ड - प्रमुख अलौह शील्ड

\downarrow
- जायरे - आंबिया की सीमा रेखा पर

- ऑपर, शिल्वर, टिन, जस्ता, यूरेनियम

- लबुम्बाशी खदान प्रमुख।

4- यूरोप - पोलैंड - साइलेशिया

रूस - यूराल पर्वत + फ्रांस - जर्मनी पठार

+ बाल्कन क्षेत्र

ऑस्ट्रेलिया :- माउंट रजा (180)

ब्रोकन हिल (Broken hill)

रशिया - अर्लॉट क्षेत्र

रूस - यूराल

मंगोलिया - गोम्बी मरुस्थल - ताबां, सोना, ओयला

चीन - नाइ मोंगोल पठार

- यूनान व्वा पठार

भारत - राजस्थान - झुझुनू खेत्री

शाररबुंड

मध्य प्रदेश - मलाजखंड

सिल्वर → तांबे वाले क्षेत्रों में + अक्ष
(पांदा) → मैक्सिलो - (चिहुआ-हुमा)

सोना - (1) USA - ब्लैक माउंटेन
- विंघम खदान

(2) → पेरू - चिली

(3) - दक्षिण अफ्रीका - शंलवाल पठार, जोहानिसबर्ग
(विट वाटर्स रैंड)

4- ऑस्ट्रेलिया - ब्लालगुर्डी, कुलगाडी, बील्डर

5- यूरोप :- फ्रांस - जर्मनी व्वा पठार

- रूस (यूराल क्षेत्र में)

- चीन - शान्दुंग प्रायद्वीप

- इंडोनेशिया - विश्व की सबसे बड़ी खदान

ऊर्जा संलाधन

जोयला - वैश्विक वितरण

उत्तर अमेरिका -:

कनाडा - प्रेयरी प्रांत (रेल्वे + शास्त्रतन्त्रवान)

USA - (1) स्पेलेशियन क्षेत्र

2- प्रेयरी प्रांत - व्योमिंग प्रांत

दक्षिण अमेरिका - जोयला अधिक मात्रा में नहीं है

→ मैग्जालीना नदी घाटी

→ मोरिनोन्को नदी घाटी

अफ्रीका - जोयले का अभाव पाया जाता है।

↳ अफ्रीका - दक्षिण अफ्रीका का ट्रांसवाल

मिम्बाब्वे - वैली जोयला खदान

यूरोप - UK - मिडलैंड बेसिन ← समाप्त *

जर्मनी - स्वर + स्टाट नदी घाटी

फ्रांस - एलसास - लोरेन क्षेत्र

साम्ब्रे - म्यूस नदी घाटी (फ्रांस-बेल्जियम सीमा)

CIS - रूस - वोल्गा + पेंचोरा नदी घाटी

- यूक्रेन - डैनोब / डोनेटस्क

रशिया - CIS : रूस → घेनेसी + लेना नदी घाटी

↳ कुलबास / कुलनेटस्क

- अजाखतान - जारांगडा

मंगोलिया - गोबी का मरुस्थल

चीन - नाइ मंगोलिया प्रांत (बाउ-टांड)

- शेंकसी - शांक्सी प्रांत

- मंचूरिया पठार → मिलिन + फुशन

भारत - दामोदर + गोदावरी नदी घाटी

ऑस्ट्रेलिया - न्यू साउथ वेल्स प्रांत → न्यू कैसेल

पेट्रोलियम का विश्व वितरण :

1- उत्तर अमेरिका

कनाडा - ग्रैयरी प्रांत

अलाबामा शील

USA - अलाबामा → बोफोर्ट सागर + बेरिंग सागर

- मैक्सिको की खाड़ी - टैक्सस प्रांत

2- दक्षिण अमेरिका - विश्व के सबसे बड़े भण्डार

ब्रेनेजुरला - मैरानाइबो शील

3- अफ्रीका → न्जाजीरिया

→ अंगोला

→ लीबिया

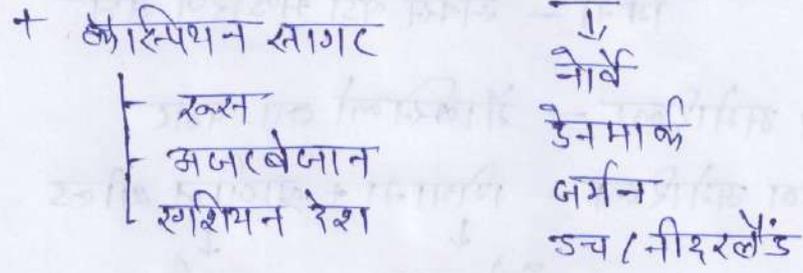
→ अल्जीरिया

→ Egypt (मिस्र)

ऑस्ट्रेलिया :- तटीय स्थिति (सागर) - तापमान (उच्च)

- अराफुरा सागर
- बाल जल संधि

यूरोप - उत्तरी सागर - 5 देशों में विभाजित है।



एशिया :- रूस - कैस्पियन सागर

KGS KHAN GLOBAL SUDES Most Trusted Learning Platform

आर्कटिक तट - (बैरन, लारा, लैट्टेव)
- बैरिंग सागर - ओरवोटल सागर
- खरवालीन द्वीप

कैस्पियन तट - अज़रबैजान

- तुर्कमेनिस्तान
- ईरान
- अज़रबैजान

भारत की खाड़ी

- साठवीं अटल → दहरान क्षेत्र, रस तनुरा
- छुपत → मीन जल अटमरी
- इराण → लिजुल, मोसुल, बास्रा
- ईरान → मल्लिक र. खुलेमान, बंदर अब्बास
- अबादान - तेल प्रसंस्करण क्षेत्र

बहरीन-२

जतर - गैल का बड़ा उत्पादन → रत लफफान
संयुक्त अरब अमीरात → दुबई, शाहजाह, माबुधावी

दक्षिण पूर्वी एशिया -

इंडोनेशिया, मलेशिया, ब्रुनेइ (बोर्नियो द्वीप)

KGS IAS

